भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व 2024 के तहत सक्रिय सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव बैठक को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व साधारण सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी, सक्रिय सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संबोधित किया ।

‘भाजपा का संगठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बनता है’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भाजपा की सक्रिय सदस्यता व संगठन चुनाव बैठक को सम्बोधित किया

- **संगठन पर्व 2024 बैठक को मुख्य मंत्री के अलावा प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संयोजक अरुण चतुर्वेदी व ओंकार सिंह लखावत ने भी संबोधित किया**
- **बैठक में पांचों नवनिर्वाचित विधायकों को साफा पहनाकर बधाई दी गई।**

जयपुर, 24 नवंबर । भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व 2024 के तहत सक्रिय सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव बैठक का आयोजन हुआ।

संगठन पर्व 2024 बैठक को भाजपा राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल, प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व साधारण सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी, सक्रिय सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संबोधित किया ।

बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने उपचुनाव में विजयी हुए पांचों नवनिर्वाचित विधायकों को साफा, भाजपा का दुपट्टा, पुष्पगुच्छ देकर जीत की बधाई दी गई।

प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करके हुए कहा कि राजनीति की 2 जातियाँ होती हैं, एक सत्ता और दूसरी संगठन। हमें संगठन को मजबूत बनाते हुए हर जिले में सक्रिय सदस्यता अभियान को सफल बनाना है।

प्रभारी अग्रवाल ने पाँच सीटों पर जीत की बधाई देते हुए कहा, सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत ही है कि आज हम उपचुनाव में पाँच सीटें जीतकर आए हैं। चौरासी और दौसा में भी भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है, वहां की जनता का भी अभिनंदन और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद जिन्होंने रात दिन मेहनत की और संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपना बहुमूल्य समय दिया। उपचुनावों में कांग्रेस पूरी तरह पिछड़ गई है कांग्रेस के बड़े नेताओं की बोलती बंद हो गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा राजनैतिक दल है जिसका संविधान है और पंच निष्ठाएँ हैं। ये सभी पंच निष्ठाएँ और संविधान के संस्कार लेकर ही हम चुनाव लड़ते हैं। कोई भी राजनीतिक दल नहीं है जिसमें हर तीन साल में चुनाव होते हो। भाजपा की संगठन संरचना बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होती है। भाजपा में प्रवेश युवा मोर्चा के माध्यम से होता है जो युवाओं के लिए राजनीति की पहली पाठशाला है। भाजपा व्यक्ति विशेष संगठन नहीं है। भाजपा में हमेशा देश को प्रथम, दूसरे पर पार्टी और तीसरे नंबर पर व्यक्ति को रखा जाता है।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी नवनिर्चवाचित विधायकों को साफा पहनाकर स्वागत किया और सभी को जीत की बधाई दी और कहा कि संगठन पर्व 2024 बैठक महत्वपूर्ण बैठक है जो दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बैठक की तर्ज पर आयोजित हो रही है ।

सक्रिय सदस्यता अभियान संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संगठन पर्व और संगठनात्मक चुनाव की जानकारी देते हुए कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण पर्व है जो 6 वर्ष बाद आयोजित जो रहा है । इसी चुनाव से आगामी 6 वर्षों के लिए संगठन का निर्माण होगा।

आप सभी निचले स्तर तक के पदाधिकारियों को संगठन पर्व की जानकारी प्रदान करें जिससे संगठन चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं की भूमिका रहे। जिला कार्यशाला ,मंडल कार्यशाला का आयोजन करके सभी सक्रिय सदस्यता अभियान से जोड़े और संगठन संरचना में अपना योगदान दे ।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए कहा कि साधारण सदस्यता अभियान का पोर्टल 25 नवंबर को बंद हो जाएगा और सक्रिय सदस्यता अभियान का पोर्टल 30 नवंबर को बंद हो जाएगा। आगामी 5 दिसंबर को संगठन महापर्व का समापन हो जाएगा। सदस्यता तो पूरे वर्ष कभी भी ग्रहण की जा सकती है परंतु अभियान निश्चित अवधि के लिए ही चलता है।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष व चुनाव प्रभारी नारायण पंचारिया, चुनाव सह प्रभारी हरिराम रणवा, सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहरसिंह जोधा, सी आर चौधरी, अजयपाल सिंह, ज्योति मिर्धा, प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, महेंद्र कुमावत, स्टेफी चौहान , कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक आदि उपस्थित रहे ।

साढ़े तीन महीने बाद वसुंधरा राजे प्रदेश मुख्यालय पहुँचीं

जयपुर, 24 नवम्बर। करीब साढ़े तीन महीने बाद आज वसुंधरा राजे पार्टी के किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंची। सोलह मिनट रुकने के बाद राजे वहां से रवाना हो गईं। बैठक में अपने संबोधन में राजे ने कहा, मुझे मीटिंग के लिए 2 बजे की सूचना थी। मैं

- **भाजपा मुख्यालय में 16 मिनट रुकने के बाद वे फ्लाइट लेने के लिये निकल गईं।**

प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी के आने का इंतजार कर रही थी। मेरी 4:50 बजे की फ्लाइट है। मैं व्यक्तिगत तौर पर नव निर्वाचित विधायकों को बधाई देना चाहती थी। इसलिए यहां आई, अब मुझे निकलना पड़ेगा।

राजे करीब 4:17 पर भाजपा कार्यालय पहुंचीं और 4:33 पर वहां से रवाना हो गईं। वसुंधरा राजे इससे पहले 3 अगस्त को प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भाजपा कार्यालय आई थीं। दरअसल, भाजपा ऑफिस में आज संगठन पर्व की बैठक थी।

‘काटे जाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से सांभरलेक के उपखंड अधिकारी को प्रार्थना पत्र पेश कर अनुमति मांगी गई। गत 4 जुलाई को ए.डी.एम. ने इन पेड़ों को काटने की सशर्त अनुमति दे दी। इसमें एक शर्त यह भी थी कि कंपनी, काटे गए पेड़ों के बदले दस फीट ऊंचाई के पांच गुणा पेड़ लगाएगी।

याचिका में कहा गया कि पेड़ काटने की अनुमति देने से पहले ऐसा कोई विकल्प नहीं तलाशा गया, जिससे कम से कम पेड़ काटे जा सकते हों। इसके अलावा पेड़ काटने की अनुमति पांच गुणा, यानी की 3085 पेड़ लगाने की शर्त पर दी गई थी। जबकि तहसीलदार ने 7 अगस्त को उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर कंपनी की ओर से पांच सौ पेड़ लगाने की जानकारी दी। याचिका में गुहार की गई कि पेड़ काटने के लिए दी गई एन.ओ.सी. और प्रशासन की ओर से पेड़ काटने के लिए जारी नीलामी आदेश को रद्द किया जाए।

महायुति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेतृत्व इस पर फैसला करेगा। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की भारी जीत के बाद राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद किसी को नहीं मिल सकेगा, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के बाहर कोई भी दल इसके लिए अनिवार्य, 29 सीट हासिल नहीं कर सका है।

डंडिया की कलम ने सच को सच कहने की हिम्मत दी- कटारिया

पत्रकारिता में 75 वर्ष पूरे होने पर मिलाप चन्द डंडिया का अभिनन्दन हुआ

पत्रकारिता में 75 वर्ष पूरे होने पर वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चन्द डंडिया का पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अभिनन्दन किया।

जयपुर, 24 नवम्बर। झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में रविवार को वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद डंडिया का अभिनंदन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल कटारिया थे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अध्यक्षता की। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी व वरिष्ठ पत्रकार प्रवीणचंद्र छाबड़ा विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यक्रम संयोजक, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा ने बताया कि मंचासीन अतिथियों ने 93 वर्षीय डंडिया के पत्रकारिता जीवन के

- **अभिनन्दन समारोह में बड़ी संख्या में प्रबद्धजन, पत्रकार व पत्रकारिता के विद्यार्थी शामिल हुए। राज्यपाल कटारिया समारोह के मुख्य अतिथि थे व देवनानी ने अध्यक्षता की। सी.पी.जोशी व प्रवीण चन्द्र छाबड़ा विशिष्ट अतिथि और विधायक गोपाल शर्मा संयोजक थे।**

अमृतोत्सव (75 वर्ष पूर्ण होने पर) अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण भी किया। इसके बाद बजरंग सिंह शेखावत द्वारा हस्तलिखित सम्मान पत्र डंडिया को समर्पित किया गया। सम्मान पत्र का वाचन वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र बोड़ा ने किया। बीबीसी के पूर्व भारत प्रमुख संजीव श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के शुभकामना संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र शर्मा हंस ने किया। इससे पूर्व पद्मश्री से अलंकृत उस्ताद अहमद हुसैन और उस्ताद मोहम्मद हुसैन बंधुओं ने गणेश वंदना और मां शारदा की स्तुति के साथ समारोह की शुरुआत की। अभिनंदन समारोह में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, पत्रकार और पत्रकारिता के विद्यार्थी शामिल हुए।

मिलापचंद डंडिया ने अभिनंदन समारोह के लिए पत्रकार जगत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष के प्रति कृतज्ञता जाहिर की। साथ ही नवोदित और युवा पत्रकारों को जजमेंट शिप के बजाय खोजपूर्ण सत्य और तथ्य आधारित पत्रकारिता को प्राथमिकता देने की नसीहत दी।

अभिनंदन समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि मिलापचंद डंडिया की पत्रकारिता का मैं प्रत्यक्षदर्शी रहा हूं। हम चाहे सत्ता में रहे हों या विपक्ष में, डंडिया को सदैव सच्ची लेखनी के लिए याद करते हैं। इन्होंने राजस्थान के पत्रकारों को सच को सच कहने की हिम्मत दी।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान के वरिष्ठतम पत्रकार के अभिनंदन समारोह में उपस्थित होना गौरव का विषय है। यह अभिनंदन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है, बल्कि यह एक विचार का अभिनंदन है। मुझे ऐसे व्यक्ति के अभिनंदन के लिए समारोह समिति का अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने कहा कि डंडिया का पूरा पत्रकारीय जीवन सख्त अनुशासन के साथ सच्चाई के प्रति कटिबद्ध रहते हुए बीता है। इसके हम सभी गवाह हैं।

कार्यक्रम संयोजक सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि मिलापचंद डंडिया की पत्रकारिता के 75 वर्षों की यात्रा का उल्लेख किए बिना राजस्थान की खोजपूर्ण पत्रकारिता का इतिहास अधूरा है।

आज से मणिपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूनिवर्सिटी, सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में क्लासेस फिर से शुरू होंगी।

इधर मणिपुर पुलिस ने 16 नवंबर को सी.एम. बीरेन सिंह सहित 17 विधायकों के घरों पर हमले के मामले में 7 और गिरफ्तारी कीं। अब तक 41 आरोपियों को अरेस्ट किया जा चुका है।

11 नवंबर को जिरिबाम में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 कुकी-जो उग्रवादियों को मार गिराया था। इसके बाद मैतेई समुदाय के अगवा किए गए 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिले थे। तभी से 7 जिलों में हिंसा जारी है।

संभल में हिंसा से तीन मरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरू कर दी गई है। इसके पहले एक अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों ने सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों में आग लगाने की भी कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि हिंसा के आरोपियों पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि सर्वे की योजना सुबह के समय बनाई गई थी ताकि मस्जिद में होने वाली नमाज में व्यवधान न हो, जो आमतौर पर दोपहर में होती है।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर हुई कथित हिंसा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और प्रशासन द्वारा राज्य के उपचुनाव में अनियमितताओं पर से ध्यान हटाने के लिए ‘‘रची गई।’’

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, विवादित स्थल पर अदालत के आदेश के तहत ‘‘एडवोकेट कमिश्नर’’ ने दूसरी बार सर्वेक्षण कार्य सुबह सात बजे के आसपास शुरू किया और इस दौरान मौके पर भीड़ जमा होने लगी। मुरादाबाद के मंडल आयुक्त ने कहा, ’’सर्वेक्षण शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा था, तभी मस्जिद के पास लोगों का एक समूह इकट्ठा हो गया और नारेबाजी करने लगा। जब पुलिस ने इलाके को खाली कराने का प्रयास किया, तो भीड़ में शामिल उपद्रवियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।’’

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई घटना को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की साजिश का नतीजा बताया और कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में कोई ‘सेफ’ नहीं है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि संभल की घटना से साफ हो गया है की ‘बटेंगे तो कटेंगे’ का निंदनीय नारा देने वाले योगी आदित्यनाथ के राज में कोई नागरिक ‘सेफ’ नहीं है। संभल में जिस तरह से प्रदर्शनकारियों पर सीधे फायरिंग के वीडियो सामने आये हैं वे सब मुख्यमंत्री और भाजपा-आरएसएस की सोची समझी साज़िश का दुष्परिणाम है। जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश सद्भाव और सौहार्द का प्रतीक रहा है वहाँ षड्यंत्र के तहत तीन लोगों की जान ली गई और कई लोग घायल हुए हैं।

हिमपात व वर्षा से कश्मीर की कई सड़कें बंद

श्रीनगर, 24 नवंबर। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में ताजा हिमपात और कुछ मैदानी इलाकों में बारिश के कारण रविवार को कई सड़कें बंद हो गईं। यातायात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू संभाग के पुंछ और राजौरी जिलों से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड को रविवार को पीर की गली में हिमपात के बाद एहतियात के तौर पर वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया। राजदान टॉप और उत्तरी कश्मीर जिले की अन्य जुड़ी सड़कों पर हिमपात के कारण गुरेज-बांदीपोरा सड़क भी वाहन यातायात के लिए बंद कर दी गई है।

‘हमारी पार्टी भविष्य में उपचुनाव नहीं लड़ेगी’

मायावती ने कहा, अब ई.वी.एम. के जरिये भी फर्जी मतदान होने लगा है

लखनऊ, 24 नवंबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में ई.वी.एम. के जरिए फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी भविष्य में उपचुनाव नहीं लड़ेगी।

मायावती ने रविवार को यहां कहा कि पहले बैलट पेपर के जरिए फर्जी मतदान की सूचनाएं मिलती थीं लेकिन अब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के जरिए भी फर्जी मतदान होने लगा है इसलिए उनकी पार्टी ने फैसला लिया है कि भविष्य में किसी भी उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा, विधानसभा और निकाय चुनाव में पूरी ताकत से जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

- **उन्होंने कहा उपचुनाव में सरकारी मशीनरी पूरी तरह सत्तारुढ़ दल के प्रभाव में होती है। आम चुनाव में मशीनरी को लगता है विपक्षी दल भी सत्ता में आ सकता है, इसलिये वह बेईमानी के पक्ष में ज्यादातर खड़ी नहीं होती।**

उपचुनाव न लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि उपचुनाव में सरकारी मशीनरी पूरी तरह से सत्तारूढ़ दल के प्रभाव में होती है जबकि आम चुनाव में ऐसा नहीं है क्योंकि सरकारी मशीनरी को लगता है कि यदि विपक्षी दल सत्ता में आएगा तो उनके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है इसलिए आम चुनाव में सरकारी मशीनरी बेईमानी के पक्ष में ज्यादातर खड़ी नहीं होती।

मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी ही इकलौती ऐसी पार्टी है जो दलित और वंचित समाज के पक्ष में हमेशा खड़ी रहती है। 2007 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद कांग्रेस और भाजपा जैसी जातिवादी पार्टियों को लगा कि बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो केंद्र में भी अपनी सरकार बना सकती है, इसलिए उन्होंने कई स्वार्थी राजनीति करने वाली जातिवादी पार्टियों को खड़ा कर दिया।

28 नवम्बर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिला आयुक्त ने एक आदेश जारी कर जिले के सभी संपत्ति मालिकों के लिए किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिया है।

उन्होंने कहा, यह निर्देश असामाजिक तत्वों और अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा संभावित खतरे के बारे में बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर आया है, जो किराए की संपत्तियों का अवैध गतिविधियों के लिए उपयोग कर सकते हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू पुलिस ने एक व्यापक जांच शुरू की है और भवानी नगर, तालाब तिल्लो जम्मू के फरमान अली और आष्टी मोहल्ला, बटमालो, श्रीनगर के आजम मलिक के खिलाफ पुलिस स्टेशन नोवाबाद में संबंधित धाराओं के तहत क्रमशः मामले दर्ज किए हैं।

‘कुछ समूह सोशल मीडिया से अदालत को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं’

पूर्व सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ ने जजों को इनसे सावधान रहने की सलाह दी

नई दिल्ली, 24 नवंबर। भारत के पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कुछ समूह सोशल मीडिया के जरिए नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। जजों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग यूट्यूब या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखे गए 20 सेकंड के वीडियो के आधार पर राय बना लेते हैं, यह बहुत बड़ा खतरा है।

उन्होंने एनडीटीवी इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा, ‘आज कुछ विशेष हित समूह, दबाव समूह हैं जो अदालतों की राय और मामलों के नतीजों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। हर एक नागरिक को यह समझने का अधिकार है कि किसी फैसले का आधार क्या है और अदालत के फैसलों पर अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। हालांकि जब यह अदालत के फैसलों से परे चला जाता है और किसी जज को निशाना बनाता है, तो यह मौलिक सवाल उठाता है- क्या यह वास्तव में अभिव्यक्ति की अजादी है?’

उन्होंने कहा, ‘इसलिए, हर कोई 20 सेकंड में यूट्यूब या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो कुछ भी देखता है, उस पर अपनी एक राय बनाना चाहता है। यह एक गंभीर खतरा पैदा करता है, क्योंकि अदालतों में फैसला लेने की प्रक्रिया कहीं अधिक गंभीर है। यह वास्तव में अत्यंत जटिल होता है, जिसे आज सोशल मीडिया पर किसी के पास इसे समझने के लिए धैर्य या सहनशीलता नहीं है और यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिसका सामना भारतीय न्यायपालिका कर रही है।’

- **उन्होंने कहा, बीस सैकंड के यू-ट्यूब विडियो पर राय बनाना गंभीर खतरा पैदा करता है। अदालत के फैसले की जटिल प्रक्रिया को समझने का धैर्य सोशल मीडिया पर किसी के पास नहीं है।**

उन्होंने कहा कि क्या सोशल मीडिया पर ‘ट्रोलिंग’ से जजों पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, ‘जजों को इस तथ्य के बारे में बहुत सावधान रहना होगा कि वे लगातार विशेष हित समूहों के हमले के अधीन हैं, जो अदालतों में होने वाले फैसलों को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।’

जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में कानूनों की वैधता तय करने की शक्ति संवैधानिक अदालतों को सौंपी गई है। उन्होंने कहा, ‘यह नियम है कि कानून बनाने का काम विधायिका द्वारा किया जाएगा, कानून का क्रियान्वयन कार्यपालिका द्वारा किया जाएगा और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करेगी और विवादों का निपटारा करेगी। कई बार ऐसा होता है कि अधिकार क्षेत्र को लेकर घालमेल हो जाता है। लोकतंत्र में नीति निर्माण का काम सरकार को सौंपा जाता है।’

कॉलेजियम सिस्टम का बचाव करते हुए पूर्व सीजेआई ने कहा कि इस प्रक्रिया के बारे में बहुत गलतफहमी है और यह बहुत ही सूक्ष्म विश्लेषण वाला और बहुस्तरीय है। उन्होंने कहा, ‘ऐसा नहीं है कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की एकमात्र भूमिका है।’ उन्होंने कहा कि जजों की वरिष्ठता पर सबसे पहले विचार किया जाना चाहिए।

जजों को राजनीति में जाना चाहिए? यह पूछे जाने पर पूर्व सीजेआई ने कहा कि संविधान या कानून में ऐसा करने पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, ‘समाज आपको रिटायरमेंट के बाद भी जज के रूप में देखता है।’

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केंद्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
ई-मेल: crpd@sbi.co.in

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

नियमित/संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

नियमित/संविदा आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2024-25/18 (नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	अधिकतम आयु* (कट ऑफ 01.10.2024)
सहायक प्रबंधक (इंजीनियर-सिविल)	43	30
सहायक प्रबंधक (इंजीनियर-इलेक्ट्रिकल)	25	30
सहायक प्रबंधक (इंजीनियर-फायर)	101	40

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2024-25/19 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	अधिकतम आयु* (कट ऑफ 30.09.2024)
जीएम एवं उप सीआईएसओ (इंफ्रा सिक्योरिटी एवं विशेष परियोजनाएं)	01	50
डीजीएम (इंसीडेंट रिस्पॉन्स)	01	50

*भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयु में छूट उपलब्ध होगी।

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/web/careers पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया **“CONTACT US”**→ **“Post Your Query”** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://bank.sbi/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 22.11.2024 से 12.12.2024 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 22.11.2024
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908